दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 वनटांगिया गांव में सीएम ने मनाई दीपावली बोले- 'समाज को बांटने वालों में रावण-दुर्योधन का डीएनए'

5 भारत-नेपाल सीमा पर नो मेंस लैंड को पाट कर बना दिया रास्ता, तस्करी रोकना बनी चुनौती, दोनों तरफ अतिक्रमण

8

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 19 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 04 नवम्बर, 2024

अद्भुत, अतुलनीय और अकल्पनीय!

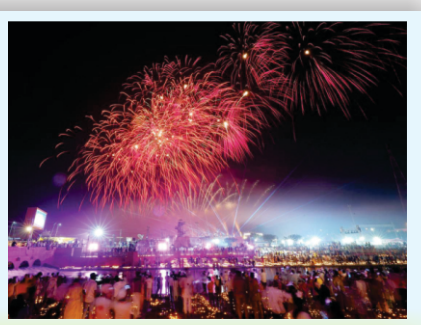

आपदामपहर्तारं दातारं सर्वसम्पदाम्
लोकाभिरामं श्रीरामं भूयो भूयो नमाम्यहम

सकल आस्था के केंद्र श्री अयोध्या धाम में आयोजित दिव्य 'दीपोत्सव-2024' के पावन अवसर पर ब्रह्माण्डनायक, सृष्टिपालक, कौशल्यानंदन प्रभु श्री राम के प्रतीक स्वरूप का तिलक लगाकर वंदन-अभिनंदन किया

श्री अयोध्या धाम में जो दीप प्रज्वलित किए गए हैं, वे केवल दीप नहीं हैं

सनातन धर्म का विश्वास हैं

मनुष्यता, मर्यादा, सद्भावना, अंत्योदय, आत्मीयता, समन्वय और सहकार की अगणित दीपशिखाओं से दीप्त धर्मधरा श्री अयोध्या धाम में पावन दीपोत्सव पूर्ण गरिमा के साथ संपन्न हुआ। मानवीय मूल्यों के उत्थान के जनोत्सव 'दीपोत्सव' के सफल आयोजन हेतु अपना आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्रदान करने वाले सभी पूज्य संत गण व धर्माचार्यों का हार्दिक आभार! सभी श्रद्धालुओं एवं अयोध्या वासियों का भी धन्यवाद, जिनकी सहभागिता ने इस दीपोत्सव को और दिव्य एवं भव्य बनाया।

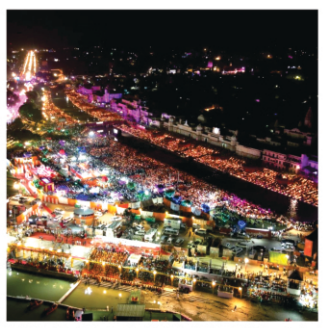

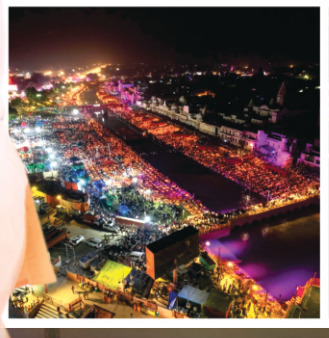

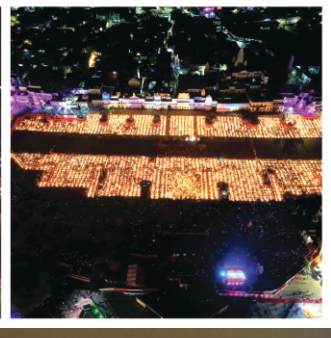

भव्य-दिव्य दीपोत्सव के लिए अयोध्यावासियों को बहुत-बहुत बधाई! लाखों दीयों से आलोकित राम लला की पावन जन्मस्थली पर यह ज्योतिपर्व भावविभोर कर देने वाला है। अयोध्या धाम से निकला यह प्रकाशपुंज देशभर के मेरे परिवारजनों में नया जोश और नई ऊर्जा भरेगा। मेरी कामना है कि भगवान श्री राम समस्त देशवासियों को सुख-समृद्धि और यशस्वी जीवन का आशीर्वाद प्रदान करें।

सम्पादकीय

अजित पवार का बड़ा फैसला

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट द्वारा अपने विवादास्पद विधायक नवाब मलिक

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट द्वारा अपने विवादास्पद विधायक नवाब मलिक को उम्मीदवार बनाने से महाराष्ट्र की महायुती में बड़ी फूट पड़ गयी है। भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें टिकट देने की कड़ी आलोचना की है। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने साफ कर दिया है कि उनकी पार्टी नवाब को हराने के लिये चुनाव लड़ेगी। नवाब मलिक ने पहले से ही दो चुनावी नामांकन पत्र खरीद रखे थे। एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में तो दूसरा बतौर एनसीपी (अजित गुट) प्रत्याशी के। नवाब मलिक पर भाजपा आरोप लगाती रही है कि उनके कुख्यात दाऊद इब्राहिम से सम्बन्ध हैं। उन पर मनी लॉड्रिंग के भी मामले हैं। भाजपा चाहती थी कि उन्हें टिकट न दी जाये लेकिन अजित पवार ने सत्ता में अपनी सहयोगी पार्टी की न सुनते हुए नवाब को टिकट थमा दिया। नवाब ने भी स्पष्ट किया कि भाजपा उन्हें समर्थन दे या न दे, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

भाजपा तथा अजित पवार वाली एनसीपी के बीच इस खटपट ने सत्तारुढ़ गठबन्धन के तीसरे साथी शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) को भी असमंजस में डाल दिया है। शिंदे राज्य के मुख्यमंत्री हैं तथा मुख्यतः भाजपा के समर्थन से इस पद को हासिल कर सके हैं। वे नहीं चाहेंगे कि नवाब को समर्थन देने से भाजपा नाराज़ होकर उनकी पार्टी के प्रत्याशियों के भी खिलाफ हो जाये। भाजपा की हताशा का आलम यह है कि वह नवाब मलिक की बेटी सना मलिक को समर्थन देने के लिये तैयार है जो अणुशक्ति नगर विधानसभा से (नवाब जहां से मौजूदा विधायक हैं) एनसीपी (अजित पवार गुट) से ही चुनाव लड़ रही हैं। नवाब मलिक का कहना है कि चार माह से यह साफ था कि वे इस सीट से तथा उनकी बेटी उनकी मौजूदा सीट से चुनाव लड़ने जा रही हैं। अंतिम वक्त में उनका विरोध करना कोई मायने नहीं रखता। नवाब मलिक ने टिकट के लिये अजित पवार एवं उनके दल के अन्य प्रमुख नेताओं को धन्यवाद देकर इस खाई को और बढ़ा दिया है। भाजपा की समस्या यह है कि मंगलवार को नामांकन की अंतिम तारीख थी। अब भाजपा ने इस सीट पर शिंदे की शिवसेना के सुरेश कृष्णा पाटिल (जिन्हें बुलेट पाटिल कहा जाता है) को समर्थन देने का ऐलान किया है।

इसके साथ ही राजनीतिक पर्यवेक्षकों की वह बात सच साबित होती नज़र आ रही है जिसमें कहा गया था कि चुनाव के ठीक पहले महायुती में फूट पड़ सकती है। यह भी माना जाता था कि इसका कारण अजित पवार होंगे जिनकी पार्टी को महायुती में शामिल करने और उसकी मदद से सरकार बनाने का विरोध खुद भाजपा में होता रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी इसके खिलाफ था। अपने एक प्रकाशन (मुखपत्र) में संघ ने अजित पवार को सरकार में शामिल करने को गलत बताते हुए लिखा था कि उन पर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप हैं। ऐसे व्यक्ति व उनकी पार्टी की सहायता से सरकार बनाना उचित नहीं है। जिस भ्रष्टाचार का उल्लेख संघ ने किया था, वह दरअसल सिंचाई से सम्बन्धित था। जब पृथ्वीराज चौहान प्रदेश के सीएम थे, तब अजित पवार पर 70 हजार करोड़ रुपये के गबन का आरोप लगा था। बाद में उन्हें इस मामले में क्लीन चिट भी मिल गई। फिर सरकारें तोड़ने–बनाने का जो खेल हुआ, उसमें अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार को धोखा देकर तथा एकनाथ शिंदे ने उद्धव से दगाबाजी कर सरकार बना ली थी लेकिन यह मामला हमेशा चर्चा में आता रहा। अब अजित पवार उसका उल्लेख कर मामले में शरद पवार को भी लपेटने की कोशिश तो कर रहे हैं परन्तु अब इसका उन्हें कोई फायदा मिलेगा, लगता नहीं है।

वैसे इस बात की भी चर्चा है कि आखिर इतने विरोध के बावजूद क्यों अजित पवार विवादग्रस्त नवाब को टिकट देने पर आमादा हैं, तो इसका कारण यह बताया जाता है कि लोकसभा चुनाव में उनके दल को सबसे कम सीटें मिली थीं– केवल चार। अब वे अधिक झुकना नहीं चाहते और न ही अपने को लाचार बतलाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, इस बार के चुनावों के बाद बनने वाली विधानसभा में वे केवल किंगमेकर बनकर नहीं रहना चाहते बल्कि खुद ही सीएम का पद पाने की कोशिश करेंगे। हालांकि इस समय वहां महा विकास आघाड़ी (कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना, शरद पवार की एनसीपी, समाजवादी पार्टी तथा अनेक क्षेत्रीय दल) को जो बढ़त दिख रही है तथा महायुती कमजोर जमीन पर खड़ी है, उसके चलते उसे बहुमत के आसार नहीं दिखते। इन परिस्थितियों में भाजपा की एकमात्र उम्मीद बाद में सरकार बनाने के दौरान उसी तोड़–फोड़ की प्रक्रिया से है जिसमें वह पारंगत है और जिसे वह महाराष्ट्र समेत अनेक राज्यों में आजमा चुकी है। अजित पवार यह भी समझते हैं कि यदि त्रिशंकू विधानसभा बनती है तो उसी दल की पूछ–परख होगी जिसके पास विधायकों की अच्छी संख्या होगी। भाजपा की नाराज़गी की उन्हें रत्ती भर भी परवाह नहीं होनी चाहिये क्योंकि वे जानते हैं कि समर्थन पाने के लिये भाजपा कोई भी समझौता कर लेगी। आवश्यक हुआ तो भाजपा उनका फिर से समर्थन लेगी तथा उन्हें मुंहमांगा पद भी देगी।

कांग्रेस के आरोपों पर चुप क्यों है सरकार

सेबी (सेक्यूरिटिज़ एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) की अध्यक्ष माधवी बुच को लेकर विवाद गहराता जा रहा है

सेबी (सेक्यूरिटिज़ एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) की अध्यक्ष माधवी बुच को लेकर विवाद गहराता जा रहा है, और जैसे–जैसे दिन बीत रहे हैं, संकेत और भी साफ होते जा रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार उन्हें बचाने की कोशिश कर रही है। अब मामला सिर्फ बचाने तक का नहीं रह गया है वरन, जैसा कि कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा कह रहे हैं कि, 'माधवी बुच सरकार को ब्लैक मेल कर रही हैं।' जबसे सेबी चेयरपर्सन माधवी बुच द्वारा विवादास्पद शेल कम्पनी में पति सहित उनके द्वारा निवेश किये जाने एवं सेबी के अलावा अन्य कम्पनियों से आर्थिक लाभ लेने की खबरें आई हैं, कांग्रेस लगातार सवाल कर रही है। केन्द्र सरकार ही नहीं, भाजपा भी उन्हें बचाने हेतु दौड़ी चली आती है। बुलाये जाने के बावजूद माधवी बुच के पिछले गुरुवार को सार्वजनिक लेखा समिति (पीएसी) के समक्ष उपस्थित न होने से उनके तथा सरकार के संशयास्पद रिश्ते और प्रगाढ़ दिखते हैं। पवन खेड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस में आरोप लगाया कि सरकार बुच को बचा रही है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सोमवार को जारी वीडियो का हवाला दिया जिनमें राहुल पूछ रहे हैं कि 'केन्द्र सरकार के सामने ऐसी क्या मजबूरी है कि वह बुच को बचा रही है? क्या माधवी सरकार को ब्लैकमेल कर रही हैं?' राहुल गांधी ने यह भी चेताया कि 'लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित किसी भी सरकार के लिये यह सम्भव नहीं होता कि वह किसी दागी व्यक्ति को बचाये जिसके बारे में सार्वजनिक डोमेन में स्पष्ट आरोप हों।' राहुल गांधी द्वारा अपलोड किये गये इन वीडियो में पवन खेड़ा बुच पर लगे आरोपों की बारीकियां समझाते दिख रहे हैं। इसके पहले 24 अक्टूबर (गुरुवार) को भी राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी किया था जिसमें उन्होंने बताया था कि कांग्रेस के महासचिव एवं सांसद केसी वेणुगोपाल की अध्यक्षता में पीएसी की इस मसले पर उस दिन आयोजित बैठक में माधवी बुच को उपस्थित होना था लेकिन वे यह कहकर उपस्थित नहीं हुईं कि 'उनके लिये अभी मुम्बई से दिल्ली की यात्रा करना मुमकिन नहीं है।' इसे लेकर राहुल ने भाजपा पर बड़ा हमला करते हुए कहा था कि 'कोई तो है जो उन्हें (बुच को) पीएसी के प्रति जवाबदेह बनने से रोक रहा है।' राहुल ने पूछा था कि 'आखिर क्यों माधवी बुच पीएसी के सवालों का जवाब देने से कतरा रही हैं और उन्हें बचाने की किसकी योजना है?' राहुल ने यह सारा कुछ अपने एक्स अकाउंट पर भी अपलोड किया है।

बुच के न आने से पीएसी की बैठक को रद्द करना पड़ा था। इसके बाद वेणुगोपाल ने पत्रकारों को बतलाया था कि उन्हें सुबह ही माधवी बुच ने सूचित किया था कि वे दिल्ली आने में असमर्थ हैं। वैसे इसी वर्ष सितम्बर में जब उन्हें लेकर अनेक खुलासे हुए थे तब माधवी एवं उनके पति धवल बुच ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा था कि उन दोनों के खिलाफ लगाये गये सारे आरोप झूठे, असत्य और दुर्भावनापूर्ण हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि उन दोनों के इन्कम टैक्स रिटर्न को आरोप लगाने वालों ने अवैधानिक तरीके तथा धोखाधड़ी से हासिल किये हैं।

जिन वीडियोज़ का ज़िक्र ऊपर किया गया है वे दरअसल राहुल तथा पवन के पॉडकॉस्ट के हिस्से हैं। इनमें राहुल अपने पार्टी सहयोगी से यह कहते सुने गये हैं कि उन्होंने सेबी अध्यक्ष के खिलाफ काफी सबूत जुटाये हैं। पवन खेड़ा इस बात का सिलसिलेवार ब्यौरा दे रहे हैं कि कैसे एक नियामक संस्था सेबी को सुनियोजित तरीके से कमजोर कर दिया गया जिसका विपरीत असर करोड़ों निवेशकों पर पड़ा है। सेबी का नेतृत्व इन सबकी कीमत पर बड़े कारोबारी घरानों के हितों की रक्षा कर रहा है। बुच कार्पोरेट एजेंडा को जांचने या लगाम लगाने की बजाये उसे और आगे बढ़ा रही हैं। खेड़ा ने याद दिलाया कि 2022 में यह पद सम्हालने वाली बुच निजी क्षेत्र से आई थीं और पहली बार ऐसा हुआ था (इसके पहले कोई वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ही यह पद सम्हालता आया था)। उम्मीदों के अनुरूप उन्होंने निजी क्षेत्र के हित पोषण का ही काम किया है।

माधवी बुच तब चर्चा में आई थीं जब हिंडेनबर्ग रिपोर्ट ने खुलासा किया था कि उन्होंने तथा उनके पति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करीबी कहे जाने वाले गौतम अदानी के भाई विनोद अदानी की ऑफशोर कम्पनियों में निवेश किया हुआ है। हालांकि दोनों ने अपने बही–खातों तथा जीवन को खुली किताब बतलाया था।

वैसे पुराने आरोपों के अलावा मंगलवार की प्रेसवार्ता में पवन खेड़ा ने एक नया आरोप जड़ दिया है। उन्होंने खुलासा किया कि सेबी चीफ के विनोद अदानी की कम्पनी के अलावा प्रेडिबल हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड में भी शेयर हैं और वहां भी वे पूर्णकालिक सदस्य का पद धारण की हुई हैं।

इसे हितों के टकराव की संज्ञा देते हुए खेड़ा ने बताया कि यह 'एकाधिकार बचाओ समूह' है जो अदानी ग्रुप, प्रमुख नियामक संस्था (आशयः सेबी) तथा भाजपा का 'खतरनाक गठजोड़' है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बुच ने अपनी एक प्रॉपर्टी को ऐसी कम्पनी को किराये पर चढ़ाया है जो निजी तौर पर इंडियाबुल्स ग्रुप से सम्बद्ध है और जो फिलहाल जांच के दायरे में है। वैसे तो अब तक बुच दम्पति में से किसी का भी या अदानी ग्रुप का इन आरोपों पर स्पष्टीकरण नहीं आया है लेकिन इस मामले पर सरकार का चुप रहना भी सवालिया निशान खड़ा करता है कि आखिर ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप जब कांग्रेस की तरफ से लग रहे हैं, तब भी सरकार अपना पक्ष क्यों नहीं रख रही। आखिर चुप्पी तोड़ने के लिए वह किस मौके का इंतजार कर रही है।

क्या अब लक्ष्मीजी बेड़ा पार करेंगी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश में चाहे जो दावे करती हों पर पिछले दिनों जब वे विश्व बैंक–आईएमएफ की वार्षिक बैठक में गईं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश में चाहे जो दावे करती हों पर पिछले दिनों जब वे विश्व बैंक–आईएमएफ की वार्षिक बैठक में गईं तो वहां उन्होंने यूरोप–अमेरिका में बढ़ते संरक्षणवाद की शिकायत करने के साथ उन्होंने अर्थव्यवस्था के बदतर होने की शिकायत की और सुधार की उम्मीद का दौर लंबा खींचने की भविष्यवाणी भी कर दी।

जी हां, जिस तरह अर्थव्यवस्था की कमजोरियां रह–रहकर सामने आ जाती है और फिर दुनिया में सबसे तेज विकास और पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने के दावे होते हैं (और सामान्य ढंग से उस पर विश्वास भी किया जाता है) वह बताता है कि सरकार के दावों और आंकड़ों को जांचने–परखने और अपने प्रत्यक्ष अनुभवों के आधार पर उन पर शक करने का काम आम लोगों ने ही नहीं मीडिया ने भी छोड़ दिया है। सभी श्रद्धा–भाव से नत है– कमीज न हो तो पांव से पेट ढककर भी संतुष्ट हैं। कई धनात्मक और ऋणात्मक सूचनाओं के बीच जब यह खबर आई कि कारों की बिक्री थमने लगी है और कंपनियां अपने उत्पाद पर भारी डिस्काउंट देकर अपना स्टाक हल्का करना चाहती हैं तब भी किसी का ध्यान खास नहीं गया। डिस्काउंट दस–दस लाख का है– जाहिर है कारें भी सत्तर –अस्सी लाख की होंगी। फिर जब शेयर बाजार भरभराकर गिरा तब भी कभी हिंडनबर्ग को विलेन बनाने की कोशिश की गई, कभी अमेरिकी बैंकिंग नीति को। निर्यात में कमी की रिपोर्ट आती है तो यूरोप में मांग घटने और अमेरिका में व्यापार संबंधी बाड ऊंची करने को दोष दिया जाता है। करखनिया उत्पादन घटाने को भी खास परेशानी का कारण नहीं माना जाता। ऐसा नहीं है कि हर अर्थव्यवस्था हर समय एक ही दिशा में बढ़ती जाती है लेकिन जब तक उसके इन्डिकेटर सही काम कर रहे हों तब उनके आधार पर नीतिगत और प्रशासनिक बदलाव करके चीजों को सुधारने की कोशिश की जाती है। अपने यहां की मुश्किल कई गुना ज्यादा है क्योंकि बीते कुछ समय से आंकड़ों को बताने और छुपाने या सांख्यिकी विभाग द्वारा जारी होने के पहले सारे आंकड़ों को सरकार की नजर से गुजारने की नीति ने काफी कुछ परदे में कर दिया है। यहां जनगणना से लेकर उपभोक्ता और रोजगार संबंधी सर्वेक्षणों की रिपोर्ट न आने जैसे मामले न भी गिनें तो काफी कुछ ऐसा है जो जानने की उत्सुकता रहती है या जो सही विश्लेषण में मुश्किल पैदा करता है। जैसे पिछले काफी समय से यह अंदाजा लगने लगा था कि उपभोक्ता वस्तुओं की मांग में कमी आई है। हमारे घरेलू बचत में गिरावट और कर्ज में दोगुनी वृद्धि का व्यावहारिक मतलब यही है कि सामान्य आदमी अपने उपभोग में कमी करके इस स्थिति से निपटना चाहता है। प्याज/टमाटर की महंगाई के समय वित्त मंत्री भी इनकी कम खपत का सुझाव देती ही हैं। अगर इसके ऊपर सब्जियों और अनाज की महंगाई को जोड़ दें तो साफ लगेगा कि सिर्फ उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद में ही नहीं पेट काटने का दौर भी शुरू हों चुका है।

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि अर्थव्यवस्था में मंदी या सुस्ती का प्रवेश हों चुका है। आंकड़े बताते हैं कि गांवों में तो उपभोक्ता वस्तुओं की मांग बनी हुई है लेकिन शहरी मांग घटती जा रही है और इसका उत्पादन पर असर दिखाई देता है। कार बाजार उसका एक उदाहरण है। पिछली तिमाही में विकास दर भी गिरी है। पिछले साल जीडीपी का विकास 7.8 फीसदी की दर से हुआ जबकि इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 6.7 फीसदी रह गया और दूसरी तिमाही में 6.5 फीसदी पर आ गया है। अब लगता है कि रिजर्व बैंक द्वारा सात फीसदी के विकास का अनुमान पूरा होना मुश्किल होगा।

इसकी दो बड़ी वजहें हैं। घरेलू मांग कम होने के साथ अलग–अलग कारणों से यूरोप और अमेरिका में हमारे सामान की मांग घाटी है। दूसरी ओर चीन द्वारा अपने यहां निवेश को बढ़ावा देने की नीतियां लागू होने के बाद से हमारे पूंजी बाजार से हजारों करोड़ रुपए की विदेशी पूंजी बाहर गई है। यह क्रम अभी जारी है और शेयर बाजार में उठा–पटक के लिए यही मुख्य कारण है। चीन अपने यहां नया उत्पादन यूनिट लगाने पर कई तरह के आकर्षक कदम उठा रहा है और वहां बड़े पैमाने पर विदेशी निवेश हो रहा है। आज दुनिया में सबसे ज्यादा तेजी चीनी शेयर बाजार में दिख रही है।

पूंजी भागने का सीधा प्रभाव हमको अपने यहां सोने की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि, रुपए के मूल्य में कमी और बाजार की गिरावट में दिखाई देती है। अगर मांग न होगी तो करखनिया उत्पादन भी गिरेगा और नई उत्पादक इकाइयों का लगाना मुश्किल होता जाएगा। जो कारखाने चल रहे हैं उनके वार्षिक कारोबार और मुनाफे की रिपोर्ट भी इसी गिरावट का संकेत देती है। जिन 194 लिस्टेड कंपनियों ने अपने कारोबार और मुनाफे की रिपोर्ट सितंबर तक दी है उनके मुनाफे में छह फीसदी की कमी आई है। पिछले वित्त वर्ष में यह गिरावट और ज्यादा थी। इसका कारण मांग की कमी के साथ अदानों का महंगा होना और अन्य खर्चे बढ़ना है। महंगाई की दर से काफी कम दर पर(एक फीसदी से भी कम) मजदूरों की मजदूरी बढ़ी है। जाहिर है इसका मांग पर असर होगा ही।

हमारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश में चाहे जो दावे करती हों पर पिछले दिनों जब वे विश्व बैंक–आईएमएफ की वार्षिक बैठक में गईं तो वहां उन्होंने यूरोप–अमेरिका में बढ़ते संरक्षणवाद की शिकायत करने के साथ उन्होंने अर्थव्यवस्था के बदतर होने की शिकायत की और सुधार की उम्मीद का दौर लंबा खींचने की भविष्यवाणी भी कर दी। रिजर्व बैंक भी मान्यता है कि खाद्य पदार्थों की महंगाई चिंताजनक है और इसी चलते वह हाल फिलहाल इन्टरेस्ट रेट में कटौती नहीं कर सकता। अर्थव्यवस्था पर नजर रखने वाले उसके समेत सभी जानकार मानते हैं कि हमारे लिए तत्काल दो चीजें उद्धारक बन सकती हैं। चीन से दोस्ती की आर्थिक वजहें हैं लेकिन पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत तत्काल राहत देने के साथ यह भी संकेत देती है कि वह आगे के संकट में आग में घी डालने नहीं जा रही है। बाजार के जानकार लोग उससे भी ज्यादा दीपावली और त्यौहार के मौसम में मांग और खरीद बढ़ाने से अर्थव्यवस्था में जान आने की आस लगाए बैठे हैं। खेती–किसानी, गांव–देहात सारी उपेक्षा के बावजूद अगर अर्थव्यवस्था को टिकाने वाला बना हुआ है तो लक्ष्मीजी की कृपा पर निर्भरता भी सारे बड़े–बड़े दावों की पोल खोलता है।

वनटांगिया गांव में सीएम ने मनाई दीपावली बोले- 'समाज को बांटने वालों में रावण-दुर्योधन का डीएनए'

गोरखपुर। वनटांगिया गांव में सीएम योगी की दीपावली : श्री अयोध्याधाम में बुधवार को दीपोत्सव का नया विश्व कीर्तिमान रचने के बाद गुरुवार पूर्वाह्न वनटांगिया गांव तिकोनिया नंबर तीन पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों के लिए 185 करोड़ रुपये की 74 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वनटांगिया गांव जंगल तिनकोनिया नंबर तीन में वनवासियों के साथ दीपावली मनाकर पर्व की खुशियां साझा कीं। वनग्राम में आयोजित दीपोत्सव में मुख्यमंत्री ने एक बार फिर सामाजिक एकरुपता का मंत्र देते हुए जाति, क्षेत्र, भाषा आदि के नाम पर समाज को बांटने वाले लोगों पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कोई जाति के नाम पर बांट रहा है, कोई क्षेत्र के नाम पर बांट रहा है, कोई भाषा के नाम पर बांट रहा है, कोई अव्यवस्था पैदा करने का काम कर रहा है। बांटने वाले इन तत्वों में रावण और दुर्योधन का डीएनए काम कर रहा है। जो काम त्रेतायुग में रावण ने किया, वही काम बांटने वाले कर रहे हैं। श्री अयोध्याधाम में बुधवार को दीपोत्सव का नया विश्व कीर्तिमान रचने के बाद गुरुवार पूर्वाह्न वनटांगिया गांव तिकोनिया नंबर तीन पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों के लिए 185 करोड़ रुपये की 74 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को दीपावली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए सीएम योगी ने कहा कि हम सभी को बांटने वाली ताकतों से सतर्क होकर एकजुट रहना होगा। अगर ऐसी ताकतों के धोखे में आकर उन्हें मौका दे दिया तो ये फिर वही काम करेंगे। गुंडागर्दी का, अराजकता, दंगा कराने का। ये कहीं ताड़का को भेजेंगे, कहीं खर दूषण को भेजेंगे। कहीं चण्ड-मुण्ड को लेकर जाएंगे, अव्यवस्था पैदा करेंगे। बेटी-बहन की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करेंगे। कहीं गरीब की जमीन कब्जा करेंगे। कहीं व्यापारी का अपहरण करेंगे। कहीं राह चलते किसी राहगीर को गोली मारेंगे। कहीं पर्व और त्योहार के पहले दंगा भड़काएंगे। यही तो ये लोग करते थे, 2017 के पहले।

सुरक्षा में सेंध लगाने वालों का होगा राम नाम सत्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब ऐसे तत्व जानते हैं कि जो सुरक्षा में सेंध लगाएगा वह राम नाम सत्य की ओर चला जाएगा। अब कोई जबरन कानून हाथ को लेगा तो उसे मालूम है कि कानून उसको फांसी के फंदे तक लेकर चला जाएगा। कोई राह में किसी बहन-बेटी की इज्ज़त से खिलवाड़ करेगा तो उसे पता है कि यह रास्ता उसे दुर्योधन और दुशासन की गति प्रदान कर देगा। कोई दंगा कराकर पर्व और त्योहारों में खलल डालने का काम करेगा तो उसे भी अंजाम पता है।

सुरक्षित माहौल , समृद्धि की गारंटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकार ने सबको बिना भेदभाव सुरक्षा, सम्मान, विकास और समृद्धि की गारंटी दे रखी है। सुरक्षित माहौल में ही समृद्धि आती है। सुरक्षित माहौल में ही उज्ज्वल भविष्य की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

दीपोत्सव से होती है रामराज्य

सीएम योगी ने अयोध्या में बुधवार को आयोजित भव्य और दिव्य दीपोत्सव की भावपूर्ण चर्चा करते हुए कहा कि राक्षसराज का अंत कर प्रभु श्रीराम जब 14 वर्ष बाद अयोध्या आए तो दीपावली मनाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी दीपोत्सव कार्यक्रम होता है तो उसका प्रतिफल होता है रामराज्य की स्थापना होती है। रामराज्य वह होता है जहां शासन की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव सबको मिलता है। न जाति, न भाषा, न क्षेत्र, न अगड़ा, न पिछड़ा, न छुआछूत-अश्पृश्यता का विभेद होता। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं। यही कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दस वर्षों से लगातार भाजपा की सरकार कर रही है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में राशन, मकान, आयुष्मान, रसोई गैस समेत सभी योजनाओं का लाभ लोगों को बिना भेदभाव मिल रहा। विकास, सुरक्षा और रोजगार की गारंटी। यही तो रामराज्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में रामलला के अपने मंदिर में प्रतिष्ठित न होने से पिछले 500 वर्षों से रामराज्य की संकल्पना अधूरी थी। अयोध्या सुनी थी। अयोध्या की पहचान जिस प्रभु राम से थी, वह ही वहां नहीं थे।

यह वर्ष विशेष, अद्भुत और अलौकिक

मुख्यमंत्री ने कहा कि 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद प्रभु रामलला इस वर्ष अपने भव्य और दिव्य मंदिर में विराजमान हो चुके हैं। यह वर्ष विशेष है, अद्भुत है, अलौकिक है और दुनिया को अचंभित करने वाला है। हम सबके जीवन में भी कुछ अद्भुत होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार विकास और विरासत के संरक्षण के संकल्प को सिद्धि में परिवर्तित कर रही हैं। रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण पूर्ण होना विरासत के संरक्षण और विकास के समन्वित संकल्प की परिणति है।

सनातन धर्म और भारत एक-दूसरे के पूरक

सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म और भारत एक-दूसरे के पूरक हैं। सनातन धर्म मजबूत होगा तो भारत मजबूत होगा और जब भारत मजबूत होगा तो सनातन धर्म मजबूत होगा। अगर इनमें से कोई एक भी कमजोर होता है तो मानकर चलिए दोनों कमजोर होते हैं। उन्होंने कहा कि देश के दुश्मन जब सफल नहीं हो पा रहे हैं तो देश के अंदर विभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। अफवाह पैदा करने का काम कर रहे हैं। गाली गलौज पर उतर रहे हैं। पर, जैसे को तैसा जवाब देना ही पड़ेगा। उन्होंने हनुमान जी द्वारा लंका दहन करने के प्रसंग का रोचक अंदाज में उल्लेख करते हुए कहा कि आपलोग बजरंग बली बनिए।

रामभक्त ही हो सकता है सच्चा राष्ट्रभक्त

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अराजक और विभेदकारी तत्वों को बजरंगबली की तर्ज पर जवाब देने के लिए तत्पर होने को प्रेरित करते हुए कहा कि आदर्श राष्ट्रभक्त बनिए। उन्होंने कहा कि एक रामभक्त ही सच्चा राष्ट्रभक्त हो सकता है। सच्चा राष्ट्रभक्त दुश्मन को उसी की भाषा में जवाब देता है। जो देश का दुश्मन है वह हमारा दुश्मन है। देश का दुश्मन कभी हमारा मित्र नहीं हो सकता।

वनटांगियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वनटांगियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना बेहद महत्वपूर्ण था ताकि समाज और देश विरोधी इन्हें भटकाने में सफल न होने पाएं। उन्होंने कहा कि वह वनटांगियों के आंदोलन में भी सहभागी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सात साल पहले इस वनटांगिया गांव में एक भी पक्का मकान नहीं था जबकि आज एक भी कच्चा मकान नहीं है। उन्होंने बताया कि यहां 770 पक्के मकान बनाए गए हैं, 800 से अधिक लोगों के राशन कार्ड बने हैं, चार हजार लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिल रहा है। 113 को वृद्धा पेंशन, 66 को निराश्रित पेंशन, 25 को दिव्यांगजन पेंशन और 12 बालिकाओं को सीएम कन्या सुमंगला योजना से लाभान्वित किया गया है। हर घर शौचालय है तो गांव में प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक स्कूल भी। एनआरएलएम के तहत यहां 38 महिला समूहों का गठन हुआ है और 882 लोगों के मनरेगा जॉब कार्ड भी बने हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनटांगिया गांवों को राजस्व गांव घोषित किया गया ताकि खुशहाली लाई जा सके।

हर व्यक्ति के घर जले दीप, करें मदद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास के उन लोगों की मदद अवश्य करें जो किन्ही कारणों से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि यह कोशिश होनी चाहिए कि कोई भी व्यक्ति पर्व के उल्लास से वंचित न रहे। हमारा प्रयास होना चाहिए दिवाली में कि हर घर में दीप जले और हर व्यक्ति तक मिठाई भी पहुंचे।

पहले तलवार के बीच मनाए जाते थे त्योहार, अब प्रेम और व्यवहार से : डॉ. संजय निषाद

इस अवसर पर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि पूर्व की सरकारों में त्योहार तलवार के बीच मनाए जाते थे, अब योगी आदित्यनाथ की सरकार में शांति, प्रेम और व्यवहार से मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि त्रेतायुग में भगवान राम ने निषादराज को गले लगाकर सम्मान दिया था आज श्रृंगवेरपुर में निषादराज की विशाल मूर्ति बनवाने समेत अनेक कार्यों से वही सम्मान सीएम योगी दे रहे हैं। डॉ. संजय निषाद ने कहा कि एक दौर वह भी था जब पूर्व की सरकारें वनटांगिया लोगों द्वारा अधिकार मांगने पर गोली चलवाती थी और आज सीएम योगी ने राम नाम की गोली देकर उन्हें अधिकार सम्पन्न बना दिया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार त्रेतायुग में सभी लोग बिना भेदभाव एकसाथ रहते थे, वैसा ही शासन सीएम योगी भी बना रहे हैं। कैबिनेट मंत्री डॉ. निषाद ने कहा कि वह सीएम योगी को और शक्ति देने के लिए हमेशा तैयार हैं।

सीएम योगी के हृदय में रहते हैं वनटांगिया लोग : रविकिशन

कार्यक्रम में सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि वनटांगिया लोग महाराज (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) के हृदय में रहते हैं। मुख्यमंत्री वनटांगिया लोगों से तबसे जुड़े हैं, जब इन वनवासियों को कोई पूछता नहीं था। वास्तव में वनटांगिया लोग बहुत भाग्यशाली हैं जो ऐसे व्यक्तित्व के साथ दीपावली मनाते हैं, जिन्हें देखने के लिए पूरे देश के लोग लालायित रहते हैं।

रविकिशन ने कहा कि वनटांगिया लोगों के बीच सीएम योगी कभी खाली हाथ नहीं आते। उन्होंने वनग्रामों के विकास के लिए खजाना खोल दिया है।

विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित किया सीएम ने

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव और लोकार्पण समारोह के मंच से स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के लाभार्थियों को स्मार्टफोन, मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चाबी व प्रमाण पत्र, आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, कृषि विभाग के लाभार्थी को स्वीकृति पत्र, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लाभार्थियों को 450 लाख रुपये का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया। इन सभी लाभार्थियों को मुख्यमंत्री ने दीपावली का उपहार भी दिया।

वनटांगिया दीपोत्सव में स्वागत संबोधन गोरखपुर ग्रामीण के विधायक विपिन सिंह सिंह और पिपराइच के विधायक महेंद्रपाल सिंह ने किया।

इस अवसर पर कुशीनगर के सांसद विजय दूबे, गोरखपुर के महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, सहजनवा के विधायक प्रदीप शुक्ल, खजनी के विधायक श्रीराम चौहान, चिल्लूपार के विधायक राजेश त्रिपाठी, चौरीचौरा के विधायक सरवन निषाद, भाजपा जिला अध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, चरगांवा की ब्लाक प्रमुख वंदना सिंह, रणविजय सिंह मुन्ना, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, वनटांगिया मुखिया रामगणेश आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दर्ज होगा केसः बर्खास्त निविदाकर्मी सीदुल्लाह के खिलाफ जेई ने दी तहरीर, 'कैश' लेते कैमरे में हुआ था कैद

गोरखपुर। सूरजकुंड की रहने वाली महिला उपभोक्ता ने की थी। शिकायत में कहा गया था कि पीडी के नाम पर सईदुल्लाह ने 28 हजार रुपये लिए, लेकिन काम नहीं किया। घर में बैठकर ये रुपये सईदुल्लाह ने उपभोक्ता के परिवार से लिए थे। परिवार में ही किसी ने रुपये लेते और गिनते समय का वीडियो बना लिया और बिजली निगम के अधिकारियों के पास भेज दिया था।

दुर्गाबाड़ी उपकेंद्र से बर्खास्त निविदाकर्मी सईदुल्लाह उर्फ बब्लू के खिलाफ बिजली निगम एफआइआर दर्ज कराएगा, जिसके बाद पुलिस की कार्रवाई करेगी। सूरजकुंड के अवर अभियंता भारतेंदु चौबे ने तिवारीपुर थाने में सईदुल्लाह के खिलाफ तहरीर दी है। आरोप लगाया कि बिजली कनेक्शन के स्थाई विच्छेदन के नाम पर निविदाकर्मी सईदुल्लाह उर्फ बब्लू ने रूपये लिए थे।

सूरजकुंड की रहने वाली महिला उपभोक्ता ने की थी। शिकायत में कहा गया था कि पीडी के नाम पर सईदुल्लाह ने 28 हजार रुपये लिए, लेकिन काम नहीं किया। अधिशासी अभियंता अतुल रघुवंशी को जानकारी होने पर उनके द्वारा जांच कराई गई। मामले की पुष्टि के बाद निविदाकर्मियों की कार्यदाई संस्था वर्ल्ड क्लास सर्विसेज लिमिटेड ने सईदुल्लाह को बर्खास्त कर दिया। इस बीच सईदुल्लाह का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ। इसमें वह पांच-पांच सौ रुपये की कई नोट लेते दिख रहा है। आरोप लगा कि तकिया कवलदह निवासी उपभोक्ता से कनेक्शन पीडी कराने और नया कनेक्शन दिलाने के नाम पर एक लाख 25 हजार रुपये की वसूली की गई है। मामला मुख्य अभियंता आशुतोष श्रीवास्तव के संज्ञान में आया तो उन्होंने पूरे तंत्र की पड़ताल के निर्देश दिए। इसके बाद जेई ने तिवारीपुर थाने में तहरीर दी है।

सतर्कताः एकमात्र ऐसी जगह जहां पटाखा बजाने पर प्रतिबंध, चूके तो पड़ सकता है 'खलल'

गोरखपुर। चिड़ियाघर के पास पटाखे बजाने पर रोकः गोरखपुर चिड़ियाघर प्रबंधन ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि परिसर के आसपास पटाखे न फोड़ें। साथ ही चिड़ियाघर के पीछे वाली सड़क पर आतिशबाजी प्रतिबंधित रहेगी। रॉकेट की चिंगारी से जानवरों के बाड़े में लगे छप्पर में आग लगने का खतरा है। इसको देखते हुए चिड़ियाघर प्रशासन जानवरों के लिए इंतजाम को बेहतर करने में जुटा हुआ है। दिवाली से लगायत छठ तक आतिशबाजी चरम पर होती है। यह आतिशबाजी जानवरों के लिए खतरनाक हो सकती है। तेज आवाज वाले पटाखों से चिड़ियाघर में रह रहे जानवर व्याकुल हो जाते हैं। चिड़ियाघर प्रबंधन ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि परिसर के आसपास पटाखे न फोड़ें। साथ ही चिड़ियाघर के पीछे वाली सड़क पर आतिशबाजी प्रतिबंधित रहेगी। रॉकेट की चिंगारी से जानवरों के बाड़े में लगे छप्पर में आग लगने का खतरा है। इसको देखते हुए चिड़ियाघर प्रशासन जानवरों के लिए इंतजाम को बेहतर करने में जुटा हुआ है। चिड़ियाघर में रह रहे जानवरों को धूप से बचाने के लिए फूस के छप्पर बनाए गए हैं। सूरज की तपिश को कम करने वाले छप्पर जरा सी चिंगारी से राख हो सकते हैं और जानवर भी खतरे में पड़ सकते हैं। इसको देखते हुए चिड़ियाघर प्रशासन इन्हें पानी से भिगो रहा है। इसके साथ ही बाड़े के आसपास पड़े सूखे पत्तों को साफ करवाया जा रहा है। दिवाली से शुरू हुआ यह क्रम छठ तक चलेगा।

रॉकेट से ज्यादा खतरा

चिड़ियाघर के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि सबसे ज्यादा खतरा रॉकेट के फटने से है। कोई रॉकेट अगर जानवर के छप्पर पर गिरा तो आग लग सकती है। इसको देखते हुए छप्परों को भिगोया जा रहा है। यह प्रक्रिया छठ तक की जाएगी। उन्होंने बताया कि तेज आवाज के पटाखों के शोर जानवरों को व्याकुल कर देते हैं। तेज आवाज से उनकी दिनचर्या में खलल पड़ती है। इससे जानवरों की भूख भी खत्म हो जाती है। आतिशबाजी के इस दुष्प्रभाव से बचाने के लिए पशु-पक्षियों को सूरज ढलने से पहले खाना दे दिया जा रहा है। इतना ही नहीं, शाम को सभी बाड़ों में एग्जास्ट चलाया जा रहा है। एग्जास्ट की आवाज से पटाखों का शोर कुछ दब जाता है। इससे पशु-पक्षी व्याकुल नहीं होते। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि चिड़ियाघर के आसपास पटाखे न फोड़ें। नौका विहार से रामगढ़ ताल के किनारे जाने वाली सड़क जो चिड़ियाघर के मुख्य द्वार के पास एसटीपी तक पहुंचती है, उस रास्ते पर आतिशबाजी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। नागरिकों से अपील है कि चिड़ियाघर परिसर के आसपास आतिशबाजी न करें। वन्यजीवों की सुरक्षा के दृष्टिगत सभी इंतजाम किए जा रहे हैंः विकास यादव, निदेशक, प्राणि उद्यान

JOIE'S GALLORE

ANTIQUE KITCHEN WARE
PH. 011-23580872, 9899058122
CHINA TELECOM
PURI

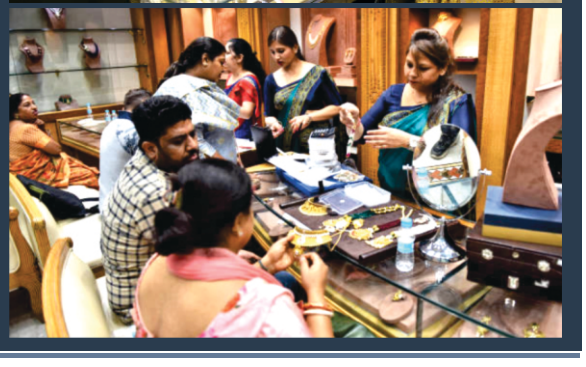

पुलिस कस्टडी में हुई मौत, पीड़ित परिवार से मिले CM योगी

लखनऊ में पुलिस कस्टडी में मोहित पांडे की मौत का मामला गरमाया हुआ है. इसी बीच सीएम योगी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की. साथ ही 10 लाख रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता और एक आवास देने की घोषणा की. इस मामले में चिनहट के थाना प्रभारी अश्विनी चतुर्वेदी को सस्पेंड किया जा चुका है।

'PDA ना तो बटेगा और ना ही कटेगा जो ऐसी बातें करेगा वो बाद में पिटेगा'

सीएम योगी द्वारा दिए गए बयान 'बंटोगे तो कटोगे' पर सपा नेता शिवपाल यादव ने पलटवार किया है. मैनपुरी की करहल सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचे शिवपाल यादव ने कहा कि PDA (पिछड़ा, दलति, अल्पसंख्यक) ना तो बंटेगा ना तो कटेगा... जो ऐसी बातें करेगा बाद में पिटेगा।

कांग्रेस के चुनाव ना लड़ने के सियासी मायने

तब सपा ने दिया था कांग्रेस का साथ... अब सहारा दे रहा हाथ, 1993 में भी सहयोगी पार्टी के लिए बनाई थी दूरी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने 1993 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का साथ दिया था। तब सपा ने कांग्रेस का साथ दिया था। अब हाथ साइकिल को सहारा दे रहा है। उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने गठबंधन के साथी समाजवादी पार्टी का साथ देने के लिए चुनावी रण से दूरी बनाने का फैसला किया है। ये पहली बार नहीं है, जब किसी दल ने सहयोगी पार्टी के लिए चुनाव से दूरी बनाई हो। साल 1993 में देश के नौ राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए थे। तब सपा ने भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का साथ दिया था। हालांकि, यूपी में सपा ने कांग्रेस या किसी दूसरे दल से गठबंधन करने से इन्कार कर दिया था। चार अक्तूबर 1993 को ''सपा द्वारा इंका से तालमेल का संकेत'' शीर्षक से प्रकाशित खबर के मुताबिक, समाजवादी पार्टी के प्रधान महासचिव कपिल देव सिंह ने दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस पार्टी से चुनावी तालमेल करने का संकेत दिया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि जिन राज्यों में कांग्रेस भाजपा को हराने की स्थिति में है, उन राज्यों में सपा तालमेल कर सकती है।

यूपी में सपा–बसपा गठबंधन पर जताया था भरोसा

तब सपा ने उत्तर प्रदेश की स्थिति को अलग बताते हुए बसपा के साथ गठबंधन की बात की थी। कपिल देव सिंह ने कहा था कि हमारा गठबंधन उत्तर प्रदेश में भाजपा को हरा देगा। लिहाजा, राज्य में किसी भी दूसरे दल के साथ गठबंधन नहीं किया जाएगा।

मुलायम सिंह को हराना चाहते हैं वीपी सिंह, चंद्रशेखरः सपा

सपा महासचिव कपिल देव सिंह ने तब आरोप लगाया था कि विश्वनाथ प्रताप सिंह और चंद्रशेखर उत्तर प्रदेश में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। ये नेता भाजपा के बजाय मुलायम सिंह यादव को हराना चाहते हैं।

कांग्रेस के चुनाव ना लड़ने के सियासी मायने

कमोबेश ऐसा ही हाल इस समय भी है। बस फर्क इतना है कि इस बार कांग्रेस ने यूपी में चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया है। हालांकि, इसमें सियासी पेंच भी है। पहले कांग्रेस उपचुनाव वाली 10 में पांच सीटें मांग रही थी। सपा ने खैर और गाजियाबाद सीट कांग्रेस को दे दी। बाद में फूलपुर सीट भी कांग्रेस को देने की बात हुई। कहा जा रहा है कि सीट बंटवारे से असंतुष्ट कांग्रेस ने गठबंधन टूटने का ठीकरा अपने सिर फूटने से बचाने के लिए उपचुनाव से किनारा किया है।

मध्यप्रदेश में हजारों स्कूल एक एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं

दूसरी तरफ 2018 शिक्षक भर्ती के चयनित मेरिट होल्डर अभ्यर्थी पद वृद्धि के साथ शेष रहें 8172 पदों पर तीसरी काउंसलिंग कराने की मांग कर रहें हैं।

महाकाल के दर्शन करने पहुंचीं मिस इंडिया निकिता

उज्जैन। दिवाली से चार दिन पहले उज्जैन का मन देश भर में बढ़ाने वाली निकिता पोरवाल शहर पहुंचल। मिस इंडिया बनने के बाद पहली बार शहर आई निकिता का जोरदार स्वागत किया गया। उनके स्वागत के लिए अरलवद नगर कश्चलोनी में रेड कारपेट बिछाया गया था। जैसे ही वह कार से उतरल तो लोगों ने फूल बरसाकर उनका अभिनंदन किया। बच्चे खुशी से झूम उठे और नाचने लगे। लोगों का अभिवादन करते हुए धीरे–धीरे चलते हुए वह अपने घर पहुंचल, जहां मां राजकुमारी पोरवाल ने आरती उतारकर अगवानी की।

एक जोड़े की कीमत 82 लाख रुपये, ऊंचाई 66 इंच... पीते हैं 1 किलो घी

आगरा के बाह में घोड़े और घोड़ियों का शौक लग्जरी गाड़ियों से भी मंहगा है। 29 से शुरू हो रहे बटेश्वर मेले के लिए पहुंच रहे घोड़े–घोड़ियों की कीमत यह बताती है। एक जोड़े घोड़े की कीमत 82 लाख रुपये रखी गई है।

चर्चित दवा कंपनी की आड़ में हो रही थी शराब की तस्करी, दवा के साथ 50 लाख की शराब जब्त

मुजफ्फरपुर में दीवाली से पहले शराब की एक बड़ी खेप पकड़ी गई है। खास बात यह है कि शराब की यह खेप दवाई के आड़ में की जा रही थी। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि हैरत की बात यह है कि माफिया शराब की खेप को जगह तक पहुंचाने के लिए दवा की एक चूचत और नामी गिरामी कंपनी का सहारा लेते हुए शराब की तस्करी कर रहे थे, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। दवा कंपनी एरिस्टो की दवा के साथ–साथ भारी मात्रा में शराब की तस्करी की जा रही थी। पुलिस ने इस दौरान एक शराब के धंधेबाज को भी गिरफ्तार किया है, जिससे अभी पूछताछ की जा रही है। मामला सदर थाना क्षेत्र के पताही गांव की है।

यूपी उपचुनावः सभी नौ सीट जीतने के लिए संघ ने बनाया खास प्लान, छोटी–छोटी टोलियां बनाकर इस रणनीति से करेंगे काम

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में दस सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में भाजपा को जिताने के लिए संघ ने कमर कस ली है। चुनाव वाले क्षेत्रों में संपर्क अभियान के लिए संघ ने टोलियां बनाकर प्रचार करने का फैसला किया है। विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को सभी 9 सीटों पर जीत दिलाने के लिए संघ परिवार ने भी कमर कस ली है। इसके लिए संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में बूथवार संघ कार्यकर्ताओं की टोली बनाई है। यही टोलियां भाजपा की जीत की जमीन तैयार कर रही हैं। भाजपा के कार्यक्रमों से दूरी बनाते हुए ये टोलियां सभी जातियों से संपर्क कर जातियों में बंटे हिंदू समाज को राष्ट्रहित का पाठ पढ़ा रही हैं। साथ ही समाज के हर वर्ग व जाति के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ के बंटेगें तो कटेंगे के नारे का मतलब भी समझा रहे हैं।

दरअसल, लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि अब भाजपा बड़ी हो गई है, उसे आरएसएस की जरूरत नहीं है। इसके बाद से संघ परिवार की सक्रियता ठहर गई थी। संघ की बेरुखी से हिंदुत्व का एजेंडा तार–तार हो गया और हिंदू जातियां बिखर गईं जिसका खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ा। हालांकि, जिस हिंदू समाज के ताने–बाने को संघ ने वर्षों की मेहनत से खड़ा किया था, उसे बिखरता देख संघ परिवार चिंतित हो उठा है। उधर भाजपा नेतृत्व को भी यह एहसास हो गया कि संघ को लेकर दिए गया बयान गलत था। अब भाजपा को एहसास हो गया है कि यूपी में होने वाले उपचुनाव व महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव में संघ की मदद के बिना बेड़ा पार नहीं हो पाएगा। ऐसे में भाजपा फिर से संघ की शरण में पहुंची है।

संघ अब सीएम योगी के बंटेंगे तो कटेंगे के नारे को आधार बनाकर फिर से भाजपा के लिए जमीन मजबूत करने में जुट गया है। भाजपा के पक्ष में जनमत तैयार करने के लिए बड़े पैमाने पर संपर्क कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। सूत्रों की मानें तो सभी संघ ने उपचुनाव वाली प्रदेश की सभी 10 विधानसभा सीटों के लिए टोलियां तैयार की हैं। भले ही चुनाव 9 सीटों पर हो रहा है।

टोलियां राष्ट्रहित और लहदुत्व को दे रहीं धार

टोलियों ने लोगों तक संदेश पहुंचाना शुरू भी कर दिया है। प्रत्येक टोली 5–10 लोगों के छोटे ग्रुप के साथ बैठकें कर रही है। सूत्रों ने बताया कि संघ की टोलियां इन बैठकों में सीधे तौर पर भाजपा का समर्थन नहीं करतीं, बल्कि राष्ट्रहित, हिंदुत्व, सुशासन, विकास, लोक कल्याण और स्थानीय मुद्दों पर गहन चर्चा के माध्यम से लोगों की राय को आकार दे रही हैं।

यूपी के साथ अन्य राज्यों के लिए भी रणनीति

सूत्रों का कहना है कि टोलियां बनाने से पहले संघ और उसके सहयोगी संगठनों ने रणनीति बनाने के लिए लखनऊ समेत चुनाव वाले अन्य राज्यों में भी बैठक कर खाका तैयार किया है। संघ का यह कदम इसलिए भी अहम है कि हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद से ही संघ ने अन्य राज्यों के आम चुनावों के साथ ही यूपी के उपचुनाव में भी इसी रणनीति पर काम करने का फैसला किया है।

हरियाणा में भी टोलियों ने की थी सवा लाख बैठकें

सूत्रों के मुताबिक हरियाणा में बनाई गई संघ कार्यकर्ताओं की टोलियों ने प्रदेश भर में करीब सवा लाख छोटी–छोटी बैठकें की थीं। इन बैठकों ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार की जाट–केंद्रित नीतियों सहित अन्य मुद्दों को उजागर कर हरियाणा में जनमत बनाया था। इन टोलियों के बदौलत ही जनता में अग्निपथ भर्ती योजना को लेकर लोगों की चिंताओं को दूर करने और किसानों से बातचीत करके उनकी भावनाओं को भाजपा के पक्ष में करने में कामयाबी मिली थी।

भारत–नेपाल सीमा पर नो मेंस लैंड को पाट कर बना दिया रास्ता, तस्करी रोकना बनी चुनौती, दोनों तरफ अतिक्रमण

लखनऊ। भारत–नेपाल सीमा पर नो मेंस लैंड को पाटकर रास्ता बना दिया गया है। बलरामपुर, बहराइच और श्रावस्ती से लगती भारत–नेपाल की सीमाएं खुलीं हैं। इस्राइल और ईरान के मध्य बढ़े तनाव के बीच और संवेदनशील बनीं हैं। बलरामपुर, बहराइच और श्रावस्ती से लगती नेपाल सीमा पर नो मेंस लैंड को कुछ जगहों पर समतल कर सड़क बना दी गई है। इससे बस एक छलांग में आसानी से सीमा पार हो जाती है। भारी वाहन भी इन चोर रास्तों से नेपाल पहुंच रहे हैं।

इससे तस्कर आसानी से सीमा पार कर जाते हैं। वहीं इस्राइल और ईरान के मध्य बढ़े तनाव के बीच नेपाल की खुली सीमा और संवेदनशील हो गई हैं। हमने बलरामपुर–सिद्धार्थनगर के बीच पिलर संख्या 570/1 से अपनी यात्रा शुरू कर श्रावस्ती के पिलर 636 से होते हुए बहराइच के रुपइडिहा सीमा के पिलर 649/3 पर पूरी की। सीमा किनारे इस सफर में दिखे दृश्यों का सजीव चित्रण पेश है...

पुलिस की नजर, फिर भी चुनौती कम नहीं

देवीपाटन मंडल के डीआईजी अमरेंद्र प्रताप सिंह बताते हैं कि नेपाल सीमा को लेकर पुलिस संवेदनशील है। हम समय–समय पर सीमावर्ती गांवों में गश्त करते हैं। सत्यापन अभियान भी चलाते हैं।

सीमा पर तस्करी रोकना मुश्किल

सीमा पर तैनात एसएसबी के एक अधिकारी ने बताया कि नेपाल सीमा पर तस्करी रोकना मुश्किल नहीं है। लेकिन यह सीमा खुली है। इस कारण चुनौती ज्यादा है। यहां बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) तो बना दी गई है। जवानों की संख्या भी बढ़ानी होगी। चुनाव के समय सीमा से हटाकर जवानों की ड्यूटी लगा दी जाती है। ऐसे में हमारी भी समस्या है। इसे जिम्मेदारों को समझना होगा।

दोनों तरफ अतिक्रमण कर मदरसों और मस्जिदों का निर्माण

सफर की शुरुआत में बलरामपुर में नो मेंस लैंड के निर्धारित क्षेत्र में धान की फसल लहलहा रही है। यहां से करीब तीन किमी आगे रोशनपुरवा गांव में नो मेंस लैंड को पाटकर सड़क बना दी गई है। दोनों तरफ के लोगों के घरों के दरवाजे भी नो मेंस लैंड की तरफ खुलते हैं। सीमा से सटे मदरसे हैं, जिनमें नेपाली बच्चे भी पढ़ते हैं। यहां मस्जिद का निर्माण भी किया गया है, जिसे सुरक्षा एजेंसियां बॉर्डर क्षेत्र में अतिक्रमण बताती हैं। रिपोर्ट भी शासन को भेजी है।

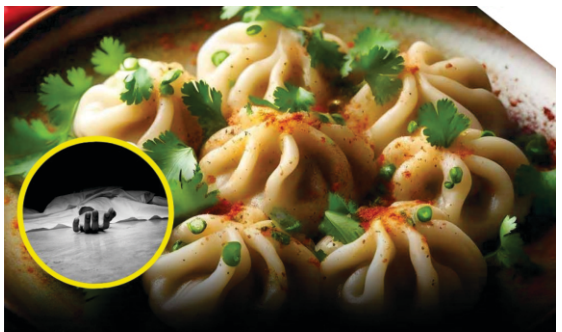

'मौत' वाले मोमोज से सावधान!

छोटे-छोटे बच्चे अस्पताल में भर्ती, एक महिला की मौत

पिछले कुछ सालों में मोमोज का क्रेज तेजी से बढ़ा है और यह एक पॉपुलर स्ट्रीट फूड बन गया है. लेकिन, क्या कभी आपने सोचा है कि मोमोज खाने से किसी की जान जा सकती है? तेलंगाना में एक हैरान करने वाला मामला आया है, जहां मोमोज खाने से पहले 10 लोग बीमार हो गए, जबकि एक महिला की मौत हो गई. तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में सड़क किनारे एक दुकान पर कथित तौर पर मोमोज खाने से ये लोग बीमार हुए थे, जबकि जिस महिला की मौत हुई उसने एक अन्य स्थान पर मोमोज खाया था. पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि कथित पीड़ितों ने पिछले सप्ताह बंजारा हिल्स पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत एक ही विक्रेता द्वारा तैयार किए गए मोमोज खाए थे, लेकिन उन्हें अलग–अलग स्थानों पर बेचा गया था. मृतक महिला के परिवार के एक सदस्य ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि मोमोज खाने के बाद वह बीमार पड़ गई और बाद में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया. उन्होंने बताया कि महिला के शव को दफना दिया गया है और उसकी मौत के कारण का पता लगाने के लिए आगे की कार्रवाई पर निर्णय अभी किया जाना बाकी है.

.ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (ळभ्डब) की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि निगम के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने पुलिस की मदद से रेहड़ी–पटरी वाले का पता लगाया और पाया कि यह बिना लाइसेंस के संचालित किया जा रहा था. अधिकारियों ने खाद्य पदार्थों के नमूनों को विश्लेषण के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला में भेज दिया है और विक्रेता के व्यवसायिक परिचालन को रोकने के आदेश जारी कर दिए गए हैं ।

बाजार में बरसे पांच हजार करोड़

आभूषणों की बजाय बुलियन गोल्ड व सिल्वर (सिक्के, बिस्किट) ज्यादा बिके

सोने–चांदी के प्रति दीवानगी बरकरार
पिछले वर्ष से 800 करोड़ अधिक के बिके आभूषण

ऐसे हुई धनवर्षा

2000 करोड़ से ज्यादा आए सराफा बाजार में। धनतेरस के बाजार में सराफा की हिस्सेदारी 40 फीसदी रही।
1000 करोड़ से ज्यादा आए रियल एस्टेट सेक्टर में। कुल कारोबार में 20 प्रतिशत की हिस्सेदारी रही इस क्षेत्र की।
500 करोड़ रुपये से ज्यादा आए ऑटोमोबाइल सेक्टर में, कुल कारोबार में हिस्सेदारी 10 फीसदी।
500 करोड़ से ज्यादा का कारोबार मिठाई, मेवे वाले गिफ्ट आइटम खरीदे शहरवासियों ने। कुल कारोबार में 10 फीसदी हिस्सेदारी रही।
250 करोड़ रुपये से ज्यादा के इलेक्ट्रॉनिक आइटम व गैजेट खरीदा शहरवासियों ने कारोबारियों के अनुमान के मुताबिक। कुल कारोबार में इस सेक्टर की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत रही।
120 करोड़ से ज्यादा के कपड़े बिक गए। कपड़ा बाजार की धनतेरस के कुल कारोबार में करीब 2.5 फीसदी की हिस्सेदारी है। 100 करोड़ से ज्यादा के बर्तन खरीदे शहरवासियों ने व्यापारियों के अनुमान के मुताबिक।

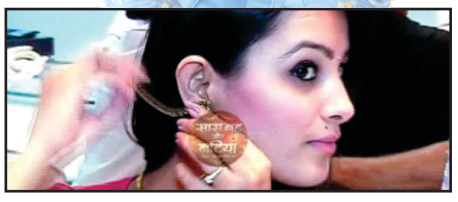

रियल एस्टेट में 25 फीसदी की हुई वृद्धि

ऑटोमोबाइल सेक्टर की बात करें तो इस बार शहरवासी वाहनों पर फिदा नजर आए। करीब 600 करोड़ रुपये कारों और बाइकों पर खर्च कर दिए। शोरूम संचालकों के मुताबिक 12000 से ज्यादा दोपहिया वाहन बिके। शहर के 28 शोरूमों से करीब 3000 कारों की बिक्री हुई। रियल एस्टेट में कारोबार 1000 करोड़ के आस पास होने का अनुमान है। क्रेडाई के रेजिडेंट डायरेक्टर पीके श्रीवास्तव के मुताबिक पिछले महीनों के मुकाबले इस बार रियल एस्टेट में 25 फीसदी की वृद्धि हुई है।

लखनऊ। राजधानी के बाजार में धनतेरस के मौके पर पांच हजार करोड़ बरसे। इस वर्ष भी लोगों में सोने–चांदी के प्रति दीवानगी बरकरार रही। पिछले वर्ष से 800 करोड़ अधिक के आभूषण बिके। राजधानी लखनऊ में धनतेरस पर लखनवियों ने जमकर खरीदारी की। चाहे पुराने शहर के बाजार हों या फिर नए शहर के, सब देर रात तक गुलजार रहे। हजरतगंज, अमीनाबाद, चौक, आलमबाग, गोमतीनगर, महानगर, यहियागंज समेत सभी बाजारों में भीड़ नजर आई। कारोबारियों के अनुमान के मुताबिक इस बार धनतेरस पर करीब 5000 करोड़ रुपये बाजार में आए। हर धनतेरस की तरह सोने–चांदी के प्रति दीवानगी इस बार भी नजर आई। लखनवियों ने 40 फीसदी तक ज्यादा खर्च किए। इतनी उछाल के पीछे इन धातुओं की बढ़ी कीमतें भी रहीं। लखनऊ सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष व यूपी सराफा एसोसिएशन के महामंत्री रविंद्रनाथ रस्तोगी का अनुमान है कि इस बार जिले भर में करीब 2000 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। पिछले साल धनतेरस पर करीब 1200 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था। हालांकि वह यह भी बताते हैं कि आभूषणों के बजाय इस बार बुलियन गोल्ड व सिल्वर (सिक्के, बिस्किट आदि) की खरीदारी ज्यादा रही।

बॉलीवुड एक झलक

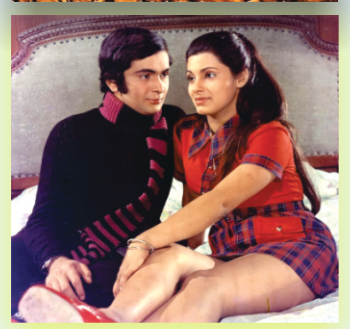

राशि खन्ना के इस लहंगे को कापी

फिदा हो जाएंगे सारे मोहल्ले वाले!

दीवाली की शुरुआत होते ही लड़कियां अपने फेवरेट सितारों के ड्रेस को कापी करने की कोशिश करती है, और सोशल मीडिया पर खूबसूरत ड्रेस की तलाश में जुट जाती है. ऐसे में राशि खन्ना का ये ड्रेस लड़कियां के लिए एक बेहतर आप्शन हो सकता है।

बालीवुड में बिखेर रहे जलवा

Warina Hussain
वरीना हुसैन बॉलीवुड की बेहतरीन मुस्लिम एक्ट्रेस हैं. उनका ताल्लुक अफगानिस्तान से है. एक वक्त में उन्होंने तालिबान के डर से अफगानिस्तान छोड़ दिया था. लेकिन आज वह भारत में बॉलवुड में अच्छा काम कर रही हैं।

हंसिका मोटवानी दीवाली

दिशा पाटनी ने मिस किया परिवार के साथ सेलिब्रेशन

विदेश से करीना ने फैंस को भेजी दीवाली विशेज
दिशा पाटनी को दीवाली पर याद आया उनका परिवार
इन सेलेब्स ने भी फैंस की दीवाली को बनाया खुशनुमा

पूरे देश में रोशनी का त्योहार दीवाली मनाई जा रही है। बॉलीवुड सेलिब्रिटीज के घर में भी दीवाली की तैयारियां चल रही हैं। इस बीच सेलिब्रिटीज ने सोशल मीडिया पर फैंस को दीवाली की शुभकामनाएं दी हैं। सिंघम अगेन एक्ट्रेस करीना कपूर के पोस्ट से लगता है कि वह इस साल भारत में दीवाली को मिस कर देंगी। देखिए बाकी सेलेब्स का पोस्ट।

एंटरटेनमेंट डेस्क। 31 अक्टूबर को पूरे देश में दीवाली की चमक है। इस त्योहार को आम लोगों के साथ–साथ बॉलीवुड सेलिब्रिटीज भी बड़ी धूम–धाम से सेलिब्रेट करते हैं। बी–टाउन में दीवाली पार्टीज के अलावा सितारे अपने घर को भी दीया से सजा देते हैं। आज दीवाली के मौके पर फिल्मी सितारों ने अपने चाहने वालों को सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं दी हैं।

दिशा पाटनी को याद आया परिवार

कंगुवा स्टार दिशा पाटनी को दीवाली के दिन अपने परिवार की याद सता रही है। इस साल वह अपने परिवार के साथ दीवाली नहीं सेलिब्रेट कर पाएंगी। उन्होंने फैंस को दीवाली की शुभकामनाएं देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, "हैप्पिएस्ट दीवाली। मैं घर और मिठाइयों को मिस कर रही हूं। इस साल सबकी जिंदगी में प्यार और रोशनी आए और मुझे उम्मीद है कि हम अपने और दूसरों के साथ पहले से ज्यादा दयालु हो सकते हैं और दूसरों के प्रति प्यार और कंपेशन दिखाएं।"

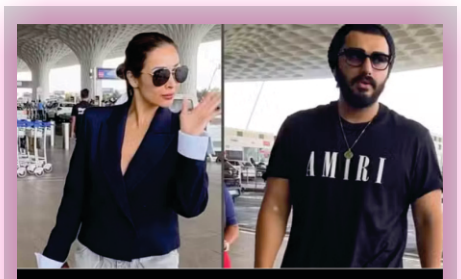

अर्जुन कपूर के 'मैं अब सिंगल हूं' बयान के बाद मलाइका ने किया क्रिप्टिक पोस्ट

पुष्पाराज ने श्रीवल्ली के साथ दी दिवाली की बधाई

साझा किया 'पुष्पा 2' का नया पोस्टर

एंटरटेनमेंट डेस्क। अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म 'पुष्पा 2' इस साल की बहु प्रतीक्षित फिल्मों में शामिल है। यह फिल्म इस साल दिसंबर में बड़े परदे पर दस्तक देगी। आज दिवाली के अवसर पर फिल्म का नया पोस्टर जारी हुआ है। फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म दिसंबर के महीने में व्यापक स्तर पर दुनियाभर में रिलीज होगी। इससे पहले फिल्म से जुड़ी हर अपडेट पर फैंस की पूरी नजर है। इस फिल्म के कई धमाकेदार पोस्टर और गाने रिलीज हो चुके हैं। आज दिवाली के अवसर पर 'पुष्पा 2' का नया पोस्टर जारी हुआ है।

श्रीवल्ली के साथ आए नजर

अल्लू अर्जुन ने आज गुरुवार को फैंस को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए पोस्ट साझा किया है। उन्होंने फिल्म पुष्पा 2 का नया पोस्टर जारी किया है। पोस्टर पर लिखा है, 'हैप्पी दिवाली'। इसमें अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका मंदाना भी नजर आ रही हैं। फिल्म के पहले पार्ट में भी रश्मिका मंदाना ही अल्लू के अपोजिट नजर आई थीं।

यूजर्स को पसंद आया पोस्टर

फिल्म का पोस्टर सामने आते ही यूजर्स ने कमेंट करने शुरू कर दिए हैं। जिससे साफ पता चल रहा है कि फिल्म के प्रति क्रेज किस कदर बना हुआ है। अल्लू के फैंस लिख रहे हैं, हमारे पसंदीदा हीरो को हैप्पी दिवाली। एक यूजर ने लिखा, 'पुष्पा 2 ब्लॉकबस्टर होगी। हमें इसका बेसब्री से इंतजार है'। एक यूजर ने लिखा, 'दिवाली पर आपने परफेक्ट गिफ्ट दिया है अन्ना। बहुत सुंदर पोस्टर है'।

विराट कोहली की गिनती दुनिया के महान बल्लेबाजों में होती है। लेकिन इस समय वह आलोचकों के निशाने पर हैं क्योंकि उनके बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं। विराट कोहली का बल्ला मौजूदा न्यूजीलैंड सीरीज में भी नहीं चल रहा है तो वहीं बांग्लादेश सीरीज में भी वह फ्लाप रहे थे। ऐसे में आस्ट्रेलिया दौरे को लेकर कोहली की फार्म लचता की बात है।

रोहित शर्मा साथ नाइंसाफी मत कीजिए

1 नवंबर से शुरू होगी बार्डर गावस्कर ट्र्क्षफी
भारत–आस्ट्रेलिया के बीच होंगे 5 टेस्ट मैच
न्यूजीलैंड से टेस्ट सीरीज हार चुकी भारतीय टीम

स्पोर्ट्स डेस्क। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की खासी आलोचना हो रही है। हालांकि, इस बीच रोहित की जोड़ीदार रहे शिखर धवन ने हिटमैन का बचाव किया है।

धवन का मानना है कि 12 साल बाद घर पर टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद रोहित शर्मा पर सवाल उठाना ठीक नहीं है। उनकी कप्तानी में ही भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप जीत है।

हार–जीत खेल का हिस्सा हैं

इंडिया टुडे से बातचीत में शिखर धवन ने कहा, "आप सभी जिस दबाव के बारे में बात करते हैं वह ऐसा कुछ नहीं है जिसे हम महसूस करते हैं। हालांकि, खेल में दबाव होता है, हम हार या जीत पर ध्यान नहीं देते हैं। यह खेल का हिस्सा है। एक क्रिकेटर के रूप में हम इस तरह से नहीं सोचते हैं। रोहित एक ग्रेट लीडर हैं। यह सिर्फ जीत और हार के बारे में नहीं है। टीम का अपने लीडर के साथ बॉन्ड है।"

8 विकेट से मिली हार

सीरीज का दूसरा मुकाबला पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में हुआ था।

इस अहम मैच में कीवी टीम ने रोहित शर्मा की सेना को 113 रन से रौंदा था।

न्यूजीलैंड ने पहली बार भारत में कोई टेस्ट सीरीज जीती है।

इतना ही नहीं भारतीय टीम को घर पर लगातार 18 टेस्ट सीरीज जीतने के बाद हार का मुंह देखना पड़ा।

सीरीज का आखिरी मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

इस मुकाबले की शुरुआत 1 नवंबर से होगी।

टीम इंडिया इस मैच को जीतकर सीरीज में लाज बचाना चाहेगी।

ये भी पढ़ें: 'विराट बड़े मैचों के प्लेयर', आलोचनाओं के बीच किंग कोहली के समर्थन में उतरे पूर्व सेलेक्टर

अश्वस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन करेगी

भारतीय टीम अगले महीने ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेली जाएगी। इस सीरीज को लेकर शिखर धवन ने कहा, "भारत ऑस्ट्रेलिया में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगा। चाहे रोहित शर्मा पहला मैच खेले या नहीं, बेशक, उसकी उपस्थिति और अनुभव की कमी खलेगी। मुझे यकीन है कि भारतीय खिलाड़ी बहुत प्रोफेशनल हैं और अच्छा प्रदर्शन करेंगे।"

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद भारतीय टीम अगले महीने के अंत में आस्ट्रेलिया जाएगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 5 टेस्टमैचों की सीरीज खेली जाएगी। भारत कीवी टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज हार चुका है। ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा की काफी आलोचना हो रही है। हालांकि पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने रोहित का बचाव किया है।

विराट बड़े मैचों के प्लेयर

पोट्र्स डेस्क। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली इस समय आलोचकों के निशाने पर हैं। टेस्ट में उनके बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं। बांग्लादेश सीरीज और न्यूजीलैंड सीरीज के दो मैचों में अभी तक कोहली के बल्ले से कोई बड़ी पारी नहीं निकली है। भारत को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है और इससे पहलो कोहली की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है। लेकिन पूर्व कप्तान को पूर्व चीफ सेलेक्टर का साथ मिला है।

कोहली की कप्तानी में ही भारत ने साल 2018–19 में पहली बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके बाद फिर भारत ने 2020–21 में दोबारा ये काम किया। अब टीम इंडिया की कोशिश ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीत की हैट्रिक लगाने पर है।

कोहली करेंगे दमदार शुआत

बीसीसीआई के पूर्व चीफ सेलेक्टर सुनील जोशी ने कोहली का साथ दिया है और भरोसा जताया है कि कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। जोशी ने स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा, "मैं इस बात को लेकर काफी आश्वस्त हूं कि विराट कोहली ऑस्ट्रेलियाई दौरे की शुरुआत दमदार तरीके से करेंगे। उन्होंने अभी तक भारत में बेशक रन न किए हों लेकिन विराट कोहली बड़ी टीमों के खिलाफ और बड़े मौकों पर हमेशा चलते हैं।

कोहली ने निभाया अहम रोल

वहीं एक और पूर्व चीफ सेलेक्टर एमएसके प्रसाद ने कहा है कि कोहली ने 2018–19 में सीरीज में टीम इंडिया की जीत में अहम रोल निभाया था। प्रसाद के मुताबिक कोहली और पुजारा की जोड़ी ने टीम को संतुलन प्रदान किया था। प्रसाद ने कहा, "बिल्कुल सही। अगर आप देखेंगे कि कोहली ने 2018 सीरीज में किस तरह का प्रदर्शन किया था। एक छोर पर वह एग्रेसिव बल्लेबाजी करते थे। वहीं दूसरी तरफ चेतेश्वर पुजारा थे जो क्रीज पर टिके रहते थे। इस बार हमें इन का कॉम्बीनेशन देखने को नहीं मिलेगा।" विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जा रही तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती दो मैचों में कुल 88 रन ही बनाए हैं। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए दो टेस्ट मैचों में उनके बल्ले से चार पारियों में सिर्फ कुल 99 रन ही निकले थे।

विराट कोहली की फार्म बनी भारत के लिए लचता का विषय
बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं चला विराट कोहली का बल्ला
विराट कोहल की हो रही है जमकर आलोचना

विराट कोहली बनाम ऑस्ट्रेलिया

कुल टेस्ट
25
कुल रन
2042
कुल शतक
8
औसत
47.48

विराट कोहली का ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शन

टेस्ट
13
रन
1352
शतक
6
औसत
54.08

भारत बनाम न्यूज़ीलैंड टेस्ट सीरीज

पहला टेस्ट
कीवी टीम ने 8 विकेट से जीता।

दूसरा टेस्ट
न्यूजीलैंड ने 113 रन से जीता।

तीसरा टेस्ट
1 नवंबर से मुंबई में खेला जाएगा।

बॉर्डर- गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का शेड्यूल

पहला टेस्ट	22 से 25 नवंबर	पर्थ
दूसरा टेस्ट	6 से 10 दिसंबर	एडिलेड ओवल
तीसरा टेस्ट	14 से 18 दिसंबर	गाबा
चौथा टेस्ट	26 से 30 दिसंबर	मेलबर्न
पांचवां टेस्ट	3 से 7 जनवरी	सिडनी

फैंस को दीवाली गिफ्ट देने की तैयारी कर रहा MCA

DAY 3 - RESULT

NZ	259	255
India	156	245

M. SANTNER 7/53
T. LATHAM 86(133)
W. SUNDAR 7/59
Y. JAISWAL 77(65)

NZ WON BY 113 RUNS

वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टीम के आंकड़े

कुल टेस्ट
26
जीते
12
हारे
7
ड्रॉ
7

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिन:– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो. नं. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।